समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 16

अमृत वाणी

भाग – 4
अभ्यास-पश्न

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) कवि के अनुसार हमें मन की व्यथा किसलिए मन में ही छिपाकर रखनी चाहिए?

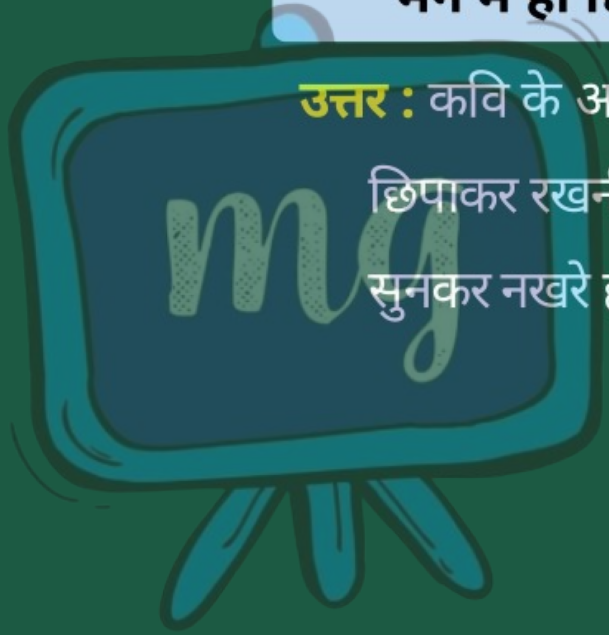

उत्तर : कवि के अनुसार हमें अपने मन की व्यथा मन में ही छिपाकर रखनी चाहिए। ऐसा इसलिए की दूसरे व्यक्ति सुनकर नखरे ही करते है, कोई उसे बाँट नहीं लेता।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. लघु उत्तर दो —

(क) संत कबीरदास का परिचय दो।

उत्तर : संत कबीरदास हिंदी के एक लोकप्रिय कवि हैं। उन्होंने जनता के बीच रहकर जनता की भाषा में जनता के लिए कविता की। वे मूलतः एक भक्त कवि हैं। निर्गुण-निराकार राम उनके आराध्य रहे। 'कबीर' शब्द का अर्थ है- बड़ा, श्रेष्ठ, महान। सचमुच महात्मा कबीरदास महान कवि हैं। उनका जन्म काशी में 1398 ई. को हुआ था। 1518 ई. को मगहर नामक स्थान में उनका देहावसान हुआ। उनकी कविता अमृतमय वाणी के समान है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) कवि रहीम का परिचय प्रस्तुत करो।

उत्तर : नीति के कवि रहीम जी का पूरा नाम है अब्दुर्रहीम खानखाना। उनका जन्म 1556 ई. को हुआ था। वे मुगल सम्राट अकबर के मंत्री बैरम खाँ के पुत्र थे। वे एक तरफ राज-कार्य में निपुण थे, तो दूसरी तरफ अच्छी कविता भी करते थे। कवि गोस्वामी तुलसीदास से उनकी गहरी मित्रता थी। कवि रहीम बड़े दानी भी थे। कहते हैं कि कवि गंग को उनकी एक रचना पर रहीम जी ने छत्तीस लाख रुपए दिए थे। 1638 ई. को उनकी मृत्यु हुई।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) निम्नांकित साखी का सरल अर्थ लिखो :

मधुर बचन है औषधि, कटुक बचन है तीर।

स्रवन द्वार है संचरै, सालै सकल शरीर ।।

उत्तर : इस साखी का अर्थ है कि मीठे बोली हमेशा औषधि का काम करती है। लेकिन कड़वा वचन एकदम नुकीले वाण की तरह होता है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) निम्नलिखित दोहे को गद्य-रूप दो —

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि।।

उत्तर : रहीम के अनुसार हैं कि बड़ी वस्तु को देख कर छोटी वस्तु को फेंक नहीं देना चाहिए।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. निम्नांकित दोहों के भावार्थ लिखो —

(क) निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय।
बिन पानी साबुन बिना, निरमल करै सुभाय ।।

उत्तर : हमारी निंदा करता है, उसे अपने अधिक से अधिक पास ही रखना चाहिए। वह तो बिना साबुन और पानी के हमारी कमियां बता कर हमारे स्वभाव को साफ़ करता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. निम्नांकित दोहों के भावार्थ लिखो —

(ख) रहिमन निज संपति बिना, कोउ न बिपति सहाय।
बिनु पानी ज्यों जलज को, रवि नहिं सकै बचाय।।

उत्तर : विपत्ति के समय अपना साधन ही काम आता है। उस समय कोई दूसरा हमारा सहायक नहीं बनता। हमें अपने विपत्ति का सामना खुद ही करना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर अगर कमल के आस पास जल नहीं होगा, तो सूरज भी उसकी रक्षा नहीं कर सकता। उसे अपनी रक्षा खुद से ही करनी पड़ती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भाषा-अध्ययन —

1. संत कबीरदास की कविता की भाषा को 'सधुक्कड़ी' अथवा खिचड़ी कहा जाता है। इसमें खड़ीबोली, ब्रज, अवधी, राजस्थानी आदि हिंदी की बोलियों का मिश्रण है। कवि रहीम के दोहों की भाषा ब्रज है। ब्रज वस्तुतः हिंदी भाषा की एक बोली है। हिंदी की मुख्यतः सत्रह बोलियाँ हैं। शिक्षक/शिक्षिका की सहायता से इन बोलियों के नाम जान लो।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तरः हिन्दी भाषा में कई बोलियाँ (उपभाषाएँ) हैं, जिनमें प्रमुख हैं: अवधी, ब्रजभाषा, कन्नौजी, बुंदेली, बघेली, हरयाणवी, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ी, मालवी, नागपुरी, खोरठा, पंचपरगनिया, कुमाउँनी, मगही, मेवाती, फ़ीजी हिन्दी

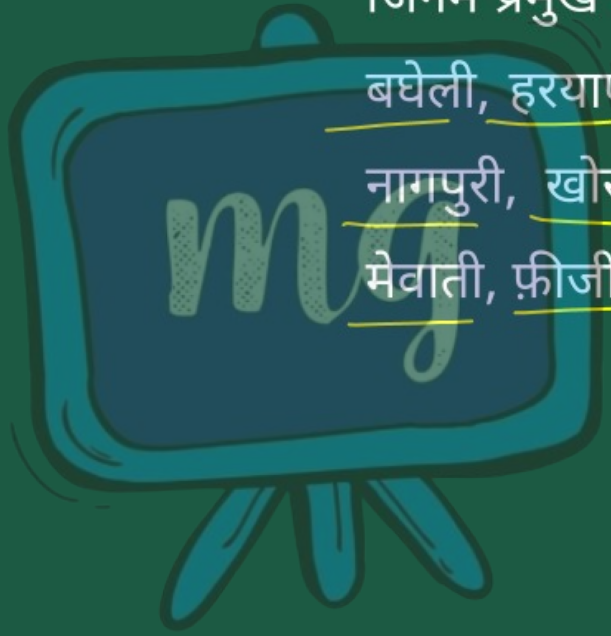

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. संस्कृत भाषा से ही कालांतर में हिंदी भाषा का विकास हुआ। परंतु हिंदी में संस्कृत के कुछ शब्द हू-ब-हू प्रयुक्त होते हैं। ऐसे शब्दों को 'तत्सम' (उसके अर्थात संस्कृत के समान) कहते हैं,

जैसे — ज्ञान, कर्म, अमृत, वाणी इत्यादि।

अब तुम पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखो —

बचन, स्रवन, सरीर, सिष, सुमिरन, बिथा

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अब तुम पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखो —

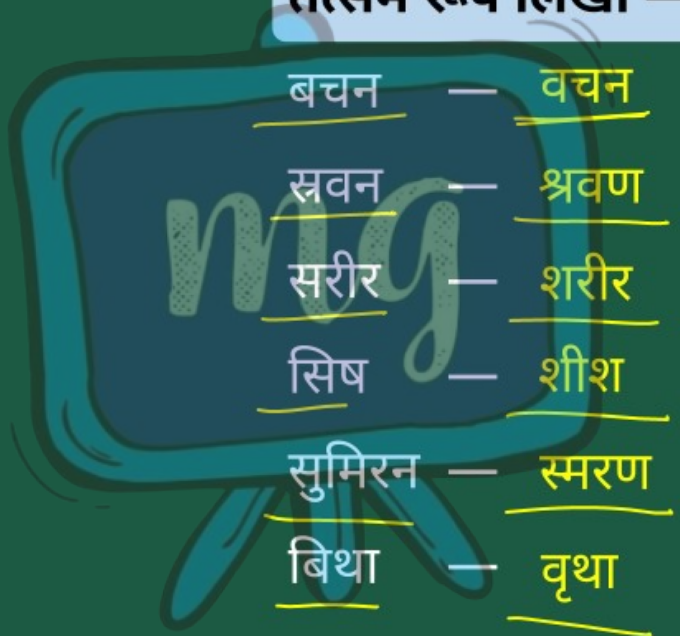

बचन — वचन

स्रवन — श्रवण

सरीर — शरीर

सिष — शीश

सुमिरन — स्मरण

बिथा — वृथा

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखो —

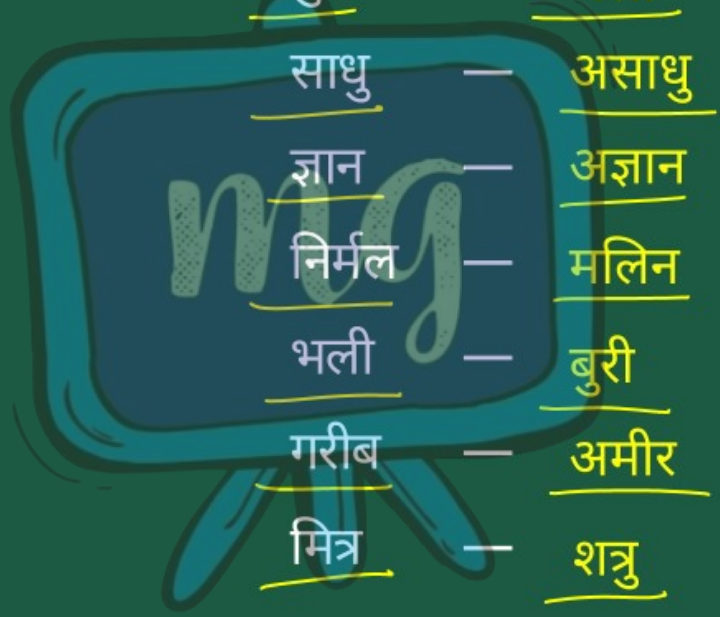

बुरा — भला

साधु — असाधु

ज्ञान — अज्ञान

निर्मल — मलिन

भली — बुरी

गरीब — अमीर

मित्र — शत्रु

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें —

शब्द	अर्थ
औषधी	औषधि, दवा
तीर	वाण
स्रवन	श्रवण, कान
सालै	सालता है, दुःख पहुँचाता है
कोय	कोई
सिष	शिष्य
कुंभ	घड़ा
बाहै	चलाते हैं

शब्द	अर्थ
नियरे	पास, नजदीक
सुभाय	स्वभाव
सुजान	ज्ञानी व्यक्ति
बिथा	व्यथा, दुःख
गोय	छिपाकर
इठिलैंहै	इठलाता है, नखरे करता है, बहाने बनाता है
जलज	कमल, पंकज
बापुरो	बेचारा, निर्धन ब्राह्मण
मिताई	मित्रता

शब्द	अर्थ
निर्गुण	जिनके गुणों की गणना नहीं की जा सकती
देहावसान	मृत्यु
सीख	शिक्षा, जानकारी
साखी	साक्षी, संत कबीरदास द्वारा विरचित दोहे
दोहा	हिंदी का एक लोकप्रिय छन्द